इस मास में विशेषः साधना दीक्षा

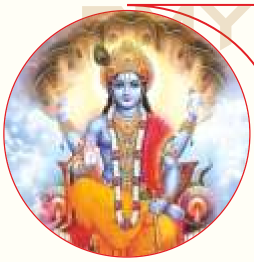

श्री हरि एकादशी उत्पन्ना साधना

उत्पन्ना एकादशी-15 नवम्बर

इस साधना से पूर्व जन्म कृत व वर्तमान जन्म के दोष दूर होते हैं। साथ ही व्यक्तित्व में तेजस्विता आती है, जीवन में नेतृत्व करने की क्षमता प्राप्त होती है। साधक कर्मशील, कर्तव्यशील बनता है और ग्रह शांति, पारिवारिक उन्नति, पुत्र पौत्र प्राप्ति, सुहाग सुखदा, धन-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

पितृ शांति मोक्ष साधना

दर्श अमावस्या-19 नवम्बर

आपके पूर्वज या पितृ के कारण ही आप को यह मानव देह प्राप्त हुआ है। उन्हीं के संस्कार आपके शरीर में हैं। जब तक पितृ की आत्मा शांत नहीं होगी, उनका पुनर्जन्म नहीं होगा, उसका सही मार्ग दर्शन नहीं होगा, उनकी इच्छायें अतृप्त रहेंगी। तो वह आत्मा अपने द्वेष, क्रोध, काम, मोह आदि (अपनी विभिन्न कामनायें) को आसानी से आप पर प्रक्षेपित कर सकती है, जिसके फलस्वरूप आलस्य, प्रमाद, काम, क्रोध, लालच की मात्रा बढ़ जाती है। इस हेतु पितृ शांति व मोक्ष प्राप्ति परम आवश्यक है। तब ही जीवन में हर प्रकार की श्रेष्ठता, धन, वैभव एवं सफलता प्राप्त कर सकेंगे। क्योंकि फिर आपके प्रगति में पितृ दोष बाधक नहीं बनेगा।

अन्नपूर्णा सिद्धि साधना

अन्नपूर्णा जयंती-04 दिसम्बर

अन्नपूर्णा माता लक्ष्मी का ही स्वरूप है, जिनकी पूजा साधना से जीवन में अक्षय अन्न का भण्डार, शाश्वत सुख, वरदान प्रदायिनी, अभय प्रदायिनी, सुख-समृद्धि, आरोग्यता, सुसंस्कारमय संतान, सौंदर्य, पापों से मुक्ति, पवित्रता प्राप्ति होती है।

सर्व कार्य सिद्धि साफल्य साधना

सफला एकादशी-15 दिसम्बर

इस साधना के द्वारा व्यक्ति में वे सभी शक्तियां समाहित हो जाती हैं, जिसके द्वारा वह जीवन में आने वाले प्रत्येक उतार-चढ़ाव को धैर्य के साथ पार करने में सक्षम हो जाता है। व्यक्ति के जीवन में आने वाली बाधाओं से लड़ने के लिये दैवीय चेतना, ज्ञान व आत्मबल प्राप्त होता हैं, जिससे वह किसी भी कार्य को न्यूनतम प्रयास व सरलता से सम्पन्न कर पाता है, उसे सभी कार्यों में सफलता मिलती है चाहे वह भौतिक पक्ष हो या आध्यात्मिक पक्ष, उसे पूर्णता प्राप्त होती ही है।

साधना एक साधक के जीवन का अभिन्न अंग है, जो साधक समय-समय पर स्वयं व सामूहिक रूप से साधना सम्पन्न करते हैं, वे सदैव सद्गुरूदेव के हृदय में एक विशिष्ट स्थान प्राप्त करते हैं। ये विशिष्ट साधनायें सम्पन्न करने के लिए कैलाश सिद्धाश्रम में सम्पर्क करें।